



संक्षेप समाचार



बीएड कॉलेजों में एडमिशन के लिए फर्स्ट मेरिट लिस्ट जारी, जानें कब से कब तक होगा डॉक्यूमेंट वेदिफिकेशन

पटना, एजेंसी। बीएड कॉलेजों में एडमिशन के लिए नोडल संस्थान लिलित नाम्रतयन मिथिला यूनिवर्सिटी ने गोबाबर को फर्स्ट मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। सीटी-बीएड 2024 में सफल अर्थात् योंगे में से रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं, वे मेरिट लिस्ट बेसइट पर देख सकते हैं। फर्स्ट लिस्ट में शामिल स्टूडेंट्स एडमिशन के लिए नौ अगस्त तक पेंटेंट कर सकते हैं।

नोडल प्रबंधिकारी अशोक कुमार मेहता ने कहा कि बीएड में नामकंकन के लिए कुल 1,16,872 रजिस्ट्रेशन हुए चाइस मिलिंग हुई थी। सेकेड बीएड में कितनी सीटों पर नामकंकन हुआ, उक्तकों देखने के बाद ही थंड लिस्ट का निर्णय लिया जाएगा। थंड लिस्ट 29 अगस्त को जारी की जाएगी।

तीन बाजार जमा कर सीटी-कॉर्नर्स 30 अगस्त से छह सिंतंबर तक करवा सकते हैं। एडमिशन 30 अगस्त से साथ सिंतंबर तक होगा। नये सत्र की कक्षाएं 28 अगस्त से शुरू होंगी। पूर्व निर्धारित शेड्यूल पर ही नामकंकन प्रक्रिया चलेगी।

सीटी-बीएड में 94.98 प्रतिशत स्टूडेंट्स सफल हुए हैं, 2,08,818 अर्थात् योंगे में 1,89,568 परीक्षार्थी सम्प्रीत हुए। जिनमें 1,80,050 अर्थात् योंगे ने सफलता प्राप्त की है। बीएड में 342 बीएड कॉलेजों में 37 हजार 400 सीटें हैं। एक कॉलेज की मान्यता इस वर्ष समाप्त हो गई है।

**4 दिन से लापता युवक का शव मिलाया गया 300 मीटर की दूरी पर एक पानी भरे गड्ढ से बचाया दिया।**

पटना, एजेंसी। पटना के बाईपास थाने की पुलिस ने चार दिन से लापता एक युवक का शव घर से लग्ज 300 मीटर की दूरी पर एक पानी भरे गड्ढ से बचाया दिया। फिलहाल मामला हल्ता से जुड़ा हुआ लग रहा है। लोगों ने बताया कि युवक का शव ज्ञानी में फेंक कर साथ छुपाने के लिए ऊपर से नामक दिया गया है।

परिवारों ने बाईपास थाने की पुलिस को मामले में लापतवाई बतार को आरोप लगाया है। बाईपास थाने परिवारी राजेश कुमार ज्ञा ने बताया कि मृतक युवक की पहचान बाहरी बेगमपुर निवासी जसवीर पासवान के रूप में की गई है। उक्तोंने कहा कि घटनास्थल पर एफएसएल टीम और डॉग स्काइड्रॉन को बुलाया गया है। मामले की छानबोली की जाएगी।

बाईपास थाने परिवारी निवासी नीता तास का छात्र जसवीर पासवान बुधवार की शाम से अपने घर से लापता था। परिवार के लोग कानी खोजबीन किए। लेकिन, उक्तकों ने जाकी आवेदन दिया गया। इसके बावजूद युवक की दूरी पर एक पानी भरे गड्ढ से बचाया गया। इसके बावजूद युवक का शव घर से लग्ज 300 मीटर की दूरी पर मर्डक अखाड़ा के नजदीक पानी भरे गड्ढ में एक युवक का शव पड़ा है। शव की पहचान जसवीर पासवान के रूप में परिवार के लोगों ने बह भी आरोप लगाया कि शूक्रवार को भी वे थाना गए थे।

इसके बावजूद भी उक्तोंने कोई स्ट्रिंगिंग टोकन नहीं दिया दिया। निवासी नीता तास का छात्र जसवीर पासवान बुधवार की शाम से अपने घर से लापता था। वे दोनों गांधीश्वर और रामगढ़ अंदर से लग्ज 300 मीटर की दूरी पर मर्डक अखाड़ा के नजदीक पानी भरे गड्ढ में एक युवक का शव पड़ा है। शव की पहचान जसवीर पासवान के रूप में परिवार के लोगों ने कहा है।

**पटना जू में बन रही ओपन नेटर लाइब्रेरी-असाम के मुरली बांस से किया जा रहा तैयार।**

पटना, एजेंसी। पटना जू में किताब प्रेसियों के लिए ओपन नेचर लाइब्रेरी बनाई जा रही है। इस लाइब्रेरी में लोग प्रकृति के बीच, खुले आसामन के नीचे बैठक किताबें पढ़ सकते हैं। इसे खास तरह के बैच से तैयार किया जा रहा है। अपने लाइब्रेरी के लिए आयान के ढाँचे पर बैच बर्क किया जा रहा है। यह अनीं तरह पहला आपने नेचर लाइब्रेरी है, कि किफायत लाइब्रेरी बनाई जू में देखने को नहीं मिलता है। लाइब्रेरी की खासियत यह है कि गर्मी के मौसम में ठंडा और परी तरह से बाटर प्लफ रहा है। इसे तैयार करने के लिए मुल्ती बांस का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पटना, एजेंसी। दिल्ली में बैठक से सीएम की बैठक से बाहर आया जीति आयोग की बैठक से नीतीश कुमार ने दर्दी बनाई है। वे इस बैठक में शामिल नहीं हुए। बिहार सरकार की ओर से मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, ललन सिंह और चिराग पासवान भी बैठक में रहे हैं। ये सभी नीति आयोग के सदस्य हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद नीति आयोग की यह घटनी बैठक है। केंद्रीय बैठक में बिहार को कई योजनाओं-परियोजनाओं के लिए मिली सहायता राशि के बाद इस बैठक का महबूब और बढ़ गया है। इस बैठक में राज्यों को मिलने

## पटना

# तेजस्वी ने सदन में सरकार को घेरने के मौके गंवाए

**मानसून सत्र से गायब रहे, बिखरे विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल**

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा का मानसून सत्र समाप्त हो गया है। पांच दिनों तक चर्चे इस सत्र में सबसे ज्यादा चर्चा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के गायब रहने की हुई। मानसून सत्र के दौरान 4 दिन तक वो गायब से ही गायब रहे।

पांचवें दिन जब पटना पहुंचे तो राजद विधायकों को भी उम्मीद थी कि सदन आएंगे, लेकिन तेजस्वी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब नहीं समझा।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल करने के बाद नीतीश सत्र के भी उम्मीद थीं कि अपनी उपस्थिति दर्ज करना भी मुनासिब हो।

नीतीश विषय के गिरते पुल-कानून व्यवस्था पर नहीं पूछा सवाल







## सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजता है। दुख का छोड़ा नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवराता है, तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का वीक्षण पढ़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाल दुख पाए, पर फैकने की तरीकी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजती है, उत्तराः ये हैं आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यत्र रसायन दिना दुख में रखती है। अपन सभी लोग आनंद खो रहे हैं, तो संसार में आनंद को योड़ी झलक देती। कुछ को तो मिलता। और कुछ को मिल जाता तो वे बाटते औरों का भी, तो कुछ झलक उनकी अंतर्में और उनके पासों में आता है। अपन सभी आनंद की तराश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इनका दुख रखते दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पापा ही दुख देते हीं, अपने भी दुख देते हैं। अपन ही दुख देते हैं। श्रृंग तो दुख देते हीं हैं, दिवास रसायन है, मिश्रित इनका दुख देते हैं? जिन्हें सूखे धूणा है, तो दुख देते, रसायनकारी, लौकिक जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने रिक्तनाल दुख दिया, अताका हिसाब रसायन है? और अपर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वहीं देते हैं, जिससे हम भर हैं। वहीं तो हमसे बहात है जो ग्रामी भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को चिल्लता है, व्याधिकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाल कहें हम प्रेम करते हैं, लौकिक प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों को जीवन में नकह निर्वित करते हैं। प्रियोंगों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बचतों को देखो। एक अन्य-दूसरे की पारी से लगाता है। ऐसा है। वरों! और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख वाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाहरी नहीं है, सुख तो तुर रहा है। सुख तो चाहते तक फैला देते हैं। ऐसे ही हैं तुम, जैसे सामने गयी बहनी हो तो जाना पर लड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लते हों। व्यासा है, मैं जल चाहता हूँ। इक्कों और पीओं। गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कहन मधी उठाना पड़े, सुख तो उसे भी करीब है। सुख तो तुराहा रसायन है। दुखों इस स्वराग में उन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। पिर एक पल की भी देरी नहीं है। दोरी का कोई कारण नहीं है।

# हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण

କୁଳଭୂଷଣ ଉପମନ୍ୟ

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के इस दौर में लगातार आपदाओं से चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही और अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा नावितों के जख्मों पर अभी तक भी पूरी तरह से बहुत हम नहीं लगाया जा सकता है। प्रदेश की कमज़ोरी और अर्थकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत अधिक लटका पड़ा है। खासकर जिनके मकानों के बचे की जमीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें बन रक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन बना भी असंभव बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश में 67 प्रतिशत भूभाग बन भूमि है, जिसका भूमि व्योग बदलना टेढ़ी खीर बना हुआ है। गत वर्ष हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और हजार आशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक मूल्यवान जीवनकाल का ग्रास बन गए थे। और भू-स्खलन का यह दौर चाहे जलवायु वर्तन के चलते भयंकर स्थिति में पहुंच गया या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम। हालांकि, हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियों को छुपाने की शिशा करते रहते हैं। बाढ़ और भू-स्खलन कृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये घटनाएं भयानक बन जाती हैं। जलवायु परिवर्तन भी तो मानव निर्मित आपदा ही पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों की औद्योगिक क्रांति के दृष्टि के वर्षों में वायुमंडल में हारित प्रभाव पैदा करने ली कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों उत्सर्जन के कारण ही तो वैश्विक तापमान में डेढ़ हुई है, जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अतिवृष्टि, नावायृष्टि और ग्लेशियरों के पिछलने का कारण न रही है। ग्लेशियर पिछलने के कारण हिमालय त्रि में ग्लेशियर के भाग टूट कर और कुछ मलबा श्रण घटायिये में फेस कर कृतिम झीलों का निर्माण होता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे यानक बाढ़ की विभीषिका का मंजर पेश होता है। 100 के दशक में पारदू नदी के उद्धम के नीचे बनी द्वाल के टूटने से सतलुज नदी में आई भयानक बाढ़ बड़ी तबाही मचाई थी। पिछले साल हुई तबाही कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण होती हैं। जब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हो जाए, तो वे बादल फटना कहा जाता है। ये बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण



ही बढ़ी हैं। अब जलवायु परिवर्तन एक सच्च बन चुका है। इसलिए हमें हिमालय में निर्माण करने वाले इस खतरे को ध्यान में रख कर ही उचित सावधान से करने चाहिए, क्योंकि हिमालय पर दोहरा खतरा है। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृद्धि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक बड़ा उम्र का पहाड़ है, जो अभी तक भी बन रहा है। इस कारण कमज़ोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण भू-स्खलन विद्युत शिकार हो जाता है। ऐसे नाजुक भू-स्थल को जलवायु अन्धारुंध तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है। तो भू-स्खलन की तबाही आ जाती है। जब भू-स्खलन का मलबा नदी नालों में पहुंचता है, तो उनका तल ऊपर उठ जाता है, जिससे पानी और बाढ़ का बहाव अप्रत्याशित रूप से बढ़ता है। तक तबाही मचा देता है। इस दृष्टि से जल विद्युत के लिए बांध, सुरुंगे, चौड़ी सड़कें बनाने के लिए निकला मलबा ढलानों पर फेंके जाने से तबाही बढ़ाने का कार्य करता है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वक्ष कटान भी होता है, जो कमज़ोर भू-स्थल को और कमज़ोर कर देता है। खनन का भी इसी तरह तबाही का कारण बनता है। ये सभी कार्य एक ओर तो प्रकृति विवरण का कारण बनते हैं और दूसरी ओर सरकारी और इन निर्माण अं

खनन से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन है। विकास के लिए इनका होना जरूरी माना जाता है। इस तरह जो स्थानीय जनता इस तबाही से बचना होती है, वह इनका विरोध करती है और जो इसके लाभान्वित होते हैं, वे इसके पक्ष में खड़े होते हैं। जिससे समाज में आपसी टकराव भी हो जाते हैं। जैसे टिहरी बांध निर्माण के समय बांध विरोधी उद्देश्य बांध समर्पक दो हिस्सों में उस प्रभावित क्षेत्र जनता बंट गई थी, जो विस्थापित हो जाते हैं, उनकी त्रसदी तो अनंत होती है और कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का देश उनको छोलना पड़ता है। इसमें हिमालय क्षेत्र फसा हुआ है। एक तरफ गढ़ा उपजिल्हा एक तरफ खाई वाली स्थिति है, जिससे निकलने वाले देश और हिमालय के स्थानीय हित के लिए जसका दबाव है। हिमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजिल्हा मिट्टी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं ने बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भवित्व को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विराधाभास समाप्त करना मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण

लेकर जल विद्युत तक। उदाहरण के लिए सन्निर्माण कट एंड फिल तकनीक से करके उसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी ऐसे क्षेत्र के रूप में बहुत अधिक विविधता देता है, जो स्थानीय आजीविका के लिए जब आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कच्चा प्रदूषण चलते इसका भी नियमन किया जाना चाहिए। व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरवाही की ओर आधारणा के विकास और लागू की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपनीचा सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिले कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। इन साधारणतया के साथ विकास को देखना आपदाओं को करने में मददगार होगा। फिर भी कुछ आपदाएँ की संभावना तो बनी ही रहेगी, जिसके आपदा प्रबंधन व्यवस्था को चाक-चौबंद बना होगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के में अच्छा कार्य हो रहा है, किंतु तत्काल उनके लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाएँ, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जगाना और प्रशिक्षित करना होगा, ताकि जब प्रशिक्षित संगठन आपदा ग्रस्त स्थान पर पहुंचे तक तात्कालिक सहायता उपलब्ध हो सके।

# पशुधन क्षेत्र में किसानों की अचृष्टी आय

100-104

पशुधन क्षेत्र का सापी उपक्षेत्रों में अधिकतम योगदान है। भारत ने पिछले कई वर्षों से दुनिया में अग्रणी दूध उत्पादन करने वाले देश की स्थिति को वार्षिक दूध उत्पादन में सतत वृद्धि के साथ बनाए रखा है, जिसमें शोध-विकास कार्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वैज्ञानिक शोध से ही प्रेसिजन या टिकाऊ पशुधन खेती का विकास किया गया है, जो इस श्रोत को किस प्रकार सतत विकास के मार्ग पर लाना व बाजार के संकेतों को समझते हुए पशुधन प्रबंधन के तरीकों को सुझाती है। ई-पशुधन हाट पोर्टल सरकार द्वारा उठाया गया एक ऐसा कदम है जो किसानों और स्वदेशी नस्ल के प्रजनकों को जोड़ने का कार्य कर रही है। इसके माध्यम से स्वेदेशी नस्लों के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी मिलेगा। पशुधन में टेक्नोलॉजी के साथ-साथ कुछ जमीनी कमियां हैं जिनको भी दूर करना अत्यधिक आवश्यक है, जैसे कि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ कुप्रथाओं का प्रचालन (उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ गलत करना), रोग का सही समय व सही तरीके से उपचार न करना, और कोई प्रमाणिक एवं संगठित बाजार का ना होना, इत्यादि। कृषि विज्ञान और पशुपालन 3.3. मत्स्यपालन क्षेत्राईसीएआर ने सालाना बीज उत्पादन के लिए भारतीय प्रमुख कार्पस (बड़ी मछली) के कई प्रजनन के लिए समर्थन बढ़ाया है। चनिंदा प्रजनन के माध्यम से आठ पीढ़ियों के बाद प्रति पीढ़ी 17% उच्च वृद्धि प्राप्ति के साथ शोधित रोहू (जयंती जयंती

# भारतीय परिधान में दीक्षित हो रहे हैं आईआईटी रुड़की के छात्र

ડા. બ્રગ્યાવાલ નારસન

में दीक्षांत समारोह की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 127 जुलाई को हो रहे आईआईटी रुड़की के 24वें दीक्षांत समारोह में नैसकॉम की अध्यक्ष देवजानी घोष मुख्य अतिथि होंगी, जिनकी मौजूदगी में छात्र छात्राएं भारतीय परिधान में उपाधि देंकर दीक्षित किए जा रहे हैं। जबकि अभिभावक परिषद के अध्यक्ष डॉ. बीआर मोहन रेही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं। इस बार के दीक्षांत समारोह में 2513 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की जा रही है। आईआईटी रुड़की के डायरेक्टर के पांत के शब्दों में, यह दीक्षांत समारोह आईआईटी के छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का एक उत्सव है, इस बार के दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि देवजानी घोष है, जो नैसकॉम की अध्यक्ष हैं। वे प्रौद्योगिकी उद्योग क्षेत्र की एक अनुभवी व तीन दशक के इतिहास में शीर्ष पर पहुंचने वाली प्रथम महिला हैं। गुरुर्वाणी घोष ने जीवन और आजीविका को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति में दृढ़ता के साथ विश्वास किया हैं, और इसका उपयोग समाज की भलाई के लिए किया हैं। वह उभरती प्रौद्योगिकियों, जैसे कि एआई, द्वारा प्रस्तुत अवसरों और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए भारत की विकास क्षमता को तेज करने में अपनी भूमिका को लेकर मुखर हैं। उनके नेतृत्व में, नैसकॉम ने समावेशी विकास और विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में एआई के जिम्मेदार विकास और अपनाने में तेजी लाने की आवश्यकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है। इस समारोह की मुख्य अतिथि नेशनल एसोसिएशन 30फॉ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की अध्यक्ष देवजानी घोष जो कि प्रौद्योगिकी उद्योग की अनुभवी हैं और 30 वर्षों के इतिहास में नैसकॉम का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं। घोष आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रस्तुत अवसरों की मुख्य समर्थक हैं। जिनका प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बड़ा योगदान है। जिन 2513 छात्र-छात्राओं को उपाधि दी जा रही है, उनमें 1277 स्नातक छात्र, 794 स्नातकोत्तर और 442 पीएचडी के छात्र शामिल हैं। इस संस्थान ने 1847 से देश को तकनीकी, मानव संसाधन और देश को गैरव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सन् 1847 में 'थामसन कालेज आफ सिविल इंजीनियरिंग' के रूप में

A large group photograph of graduates in green and white gowns at the Indian Institute of Technology Roorkee graduation ceremony. The graduates are seated in several rows on a red carpet in front of a blue banner. The banner features the text "भारतीय टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय" (Indian Institute of Technology) and "इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ़ टेक्नोलॉजी" (Indian Institute of Technology). Below the text is a stylized illustration of a building with a clock tower. The banner also includes the Indian flag and the motto "तत् त्वं प्रसादम्" (Truth Alone Triumphs).

बाद सन 1948 में रुड़की विश्वविद्यालय के रूप में उन्नता प्राप्त की थी। 19 नवंबर सन 2000 को उत्तराखण्ड ज्य बनने के बाद 2001 में रुड़की विश्वविद्यालय को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में परिवर्तित कर दिया गया। ब्रिटिश हुक्मत के दौरान हरिद्वार से कानपुर तक निकलने वाली उत्तरी गंग नहर का निर्माण बनपुर तक निकलने वाली उत्तरी गंग नहर का निर्माण बब शुरू हुआ तो तब इंजीनियरों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लेफ्टिनेंट गवर्नर जेम्स थामसन ने रुड़की इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना की थी ताकि गंग नहर के निर्माण में इंजीनियरों और सर्वेक्षकों की सापूर्ति की जा सके। अपनी स्थापना से लेकर आज के 176 वर्षों में इस संस्थान ने देश को तकनीकी नव संसाधन और राष्ट्रीय गौरव देने में अहम भूमिका भारी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की देश के गढ़आईटी संस्थानों में पांचवें स्थान पर आता है। वहाँ ह संस्थान 'क्यूएस बर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024' 369वें स्थान पर है। यह संस्थान सन 1847 में थामसन कालेज आफ सिविल इंजीनियरिंग' के तौर पर स्थापित हुआ था। देश को आजादी मिलने के बाद स कालेज को 1948 में रुड़की विश्वविद्यालय का बनने के बाद 2001 में इसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में तब्दील कर दिया गया। ब्रिटिश हुक्मत के दौरान हरिद्वार से कानपुर तक निकलने वाली उत्तरी गंग नहर का निर्माण जब शुरू हुआ तो तब लेफ्टिनेंट गवर्नर जेम्स थामसन ने कालेज की स्थापना की थी ताकि गंग नहर के निर्माण में इंजीनियरों और सर्वेक्षकों की मदद की जा सके। अपनी स्थापना से लेकर आज तक 175 वर्षों में इस संस्थान ने देश को तकनीकी मानव संसाधन और जानकारी देने में अहम भूमिका निभाई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की देश के आईआईटी संस्थानों में पांचवें स्थान पर आता है। वहाँ यह संस्थान 'क्यूएस बर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024' में 369वें स्थान पर है। 24 से अधिक संकायों का संचालन कर रहे इस संस्थान की जब स्थापना की गई थी तब इसमें केवल सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े गिने-चुने संकाय ही थे और आज यह संस्थान 24 से ज्यादा संकायों का संचालन कर रहा है। इनमें प्रमुख रूप से अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी, डिजाइन विभाग, जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन, बी आर्क, नैनो

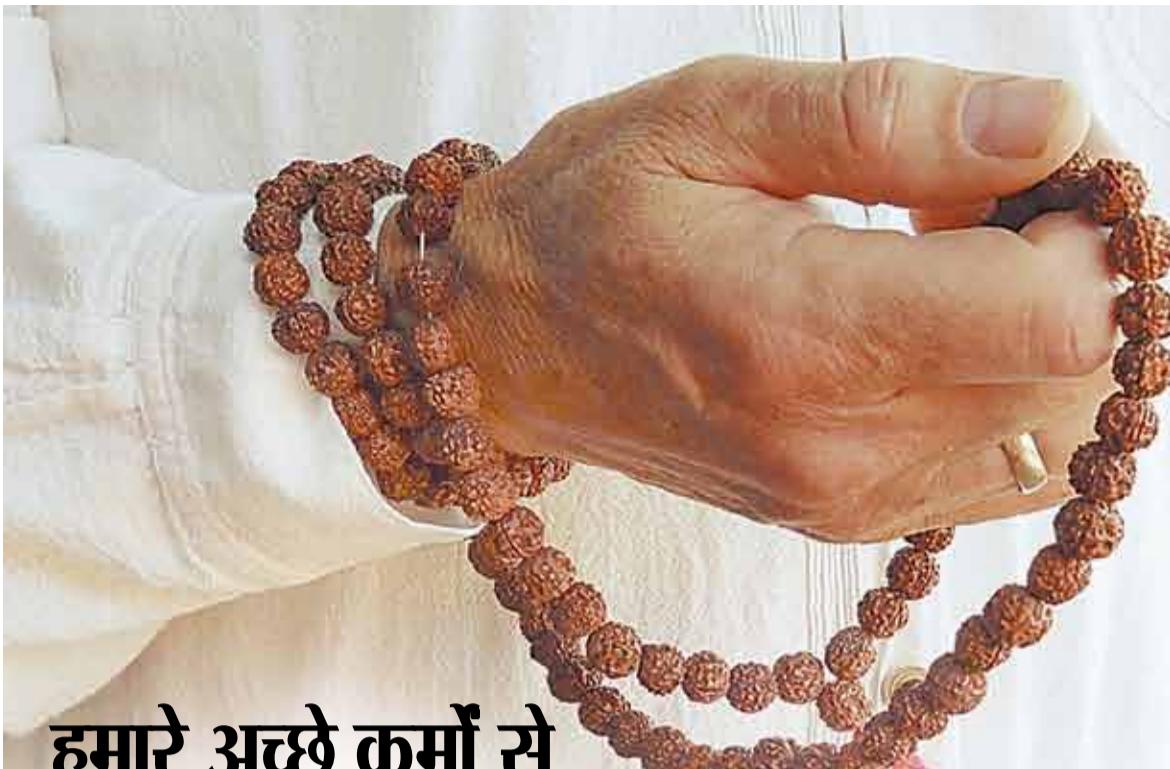
प्राद्यानिका, जनपद न्यूजार्सी एवं प्रियंग, वारपहा प्रणालियां, विद्युत अभियंत्रण, इलेक्ट्रनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, रसायनिक अभियांत्रिकी, भूकम्प अभियांत्रिकी, कागज प्रौद्योगिकी, पालिमर एवं प्रासेस अभियांत्रिकी भौतिकी विभाग, जल विज्ञान विभाग, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा, प्रबंधन विभाग, गणित विभाग, यान्त्रिकी एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी आदि शामिल हैं निवेदशक प्रोफेसर के पांते ने छात्रों से कहा कि संस्थान में छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा एवं गणित सभी क्षेत्रों में समान अवसर दिए जा रहे हैं। एनआइआरएफ रैंकिंग-2023 में इआईटी रुड़की को भारत में वास्तुकला एवं नियोजन के शीर्ष संस्थानों के रूप में स्थान मिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के कार्यान्वयन में भी संस्थान सबसे आगे है। ब्रिटिश हूकूमत के दौरान हाफिरार से कानुपर तक निकलने वाली उत्तरी गंग नहर का निर्माण जब शुरू हुआ तो तब लेफिटनेंट वगर्नर जेम्स थामसन ने कालेज की स्थापना की थी ताकि गंग नहर के निर्माण में इंजीनियरों और सर्वेक्षकों की मदद की जा सके। अपनी स्थापना से लेकर आज तक 175 वर्षों में इस संस्थान ने देश को तकनीकी मानव संसाधन और जानकारी देने में अहम भूमिका निभाई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की देश के आइआईटी संस्थानों में पांचवें स्थान पर आता है। वहीं यह संस्थान 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024' में 369वें स्थान पर है। आईआईटी रुड़की में हाल ही में एनईपी-2020 के अनुरूप अपने सातक पाठ्यक्रम को संशोधित किया है। इसका उद्देश्य छात्रों की वैश्विक आकांक्षाओं के साथ तालिमेल बनाए रखना है। साथ ही यह संस्थान अंतर्रिक्ष और रक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के साथ भी आईआईटी एक परियोजना पर कार्य कर रहा है। उद्योगों की जो समस्या है उसका निराकरण कैसे किया जाए, उस पर कार्य चल रहा है। जल की बवादी को रोकने के लिए संस्थान व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है। अभियांत्रिकी को जनहित के कार्यों में प्रयोग करने का एक अद्भुत और अनोखा प्रयोग संस्थान में हो रहा है। संस्थान के निवेदशक प्रोफेसर पांते का कहना है कि हम अपने संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 369 वीं रैंकिंग से 250 वीं रैंकिंग पर लाने के लिए प्रयासरत हैं।

	1		2		3		4
5			6				
		7			8	9	
10	11				12	13	
					14		
15		16		17		18	19
		20	21		22		
			23				
24					25		

बाएँ से दाएँ  
 नसा, मांग-3  
 रगड़ी-4  
 गाजे पर दी गई थाप-3  
 की माता-2  
 विवेदह-2  
 जय दत्त, जैकी श्रॉफ,  
 धुरी की फिल्म-5  
 वदेश, जन्मभूमि-3  
 बबंदी, रोक-3  
 गश्चर्यचकित होना-5  
 इसिका-2  
 गानेवाला दिन-2  
 मतल-3  
 मध्यशीर, कृपाण -4  
 बजल व्यार्थ-3

उपर से नीचे		
ल न		
-4		
३		
-3		
ना -4		

लूटोफ बवाला - 7140									*	सु	सु	सु	सु
2	8	5	1	9	6		7						
					8					1			
		7	4	6		8				9			
3	2				7					8			
1		9		4		7				5			
4			2				9			3			
6	3		5	1	9								
8		3											
7	1	9	2	6	3					4			



## हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान्

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सर्वी भक्ति समझते हैं। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के

बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते हैं। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निकाम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उत्तमि करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरने चलो। कर्तव्य व दायित्व को इमानदारी व कृशलता से निपाओ। गीता कह रही है— योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात् जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कृशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है। तन के शृंगार में ही जो समय गंगा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का शृंगार कर उसमें बैठे परमत्वा की आराधना करते हैं वह संसार की मालिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्दृष्टि से ही जीवन में मालिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय बेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।



## पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सुषि के सभी तत्त्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं चलाई हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदृष्टि हो सकते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में इन तत्त्वों का प्रदृष्टि होना संभव है। यह प्रदृष्टि मनुष्य को पतन अथवा थायरायड व पैराथायरायड ग्रिथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भी भावित परिवर्तित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्व होता है। हवन मात्र एक कर्माकांड नहीं है। पृथ्वी तत्त्व के दृष्टित होने से व्यक्ति को

## कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम महनत करने पर भी अधिक धन संचयित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी महनत के उपरांत भी उनकी महनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कर्माकांड तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अग्र धन का अगमन ठीक ही हो तो बढ़ हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंडों का जा करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेंगी और उस पैसों में निरंतर बढ़ाती होती रहेंगी।

ऊँ श्री हौं कर्ती हौं श्री महालक्ष्मी नामः

निम्न पक्षियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकूल्या से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिग्पाल जाहा ते । कवि कोबिद कहि सके कहा ते ॥

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उके भत्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का वित्र

अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वारन्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिवा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिवा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।



मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहाँ एक और अन्य सभी तत्त्व विप्रदृष्टि हो सकते हैं, वहीं अग्नि को दृष्टि नहीं किया जा सकता।

समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं। जब जल तत्त्व दृष्टि होता है तो आप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए अन्हीं कहता। अग्नि तत्त्व को दृष्टि नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित रत्नता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संवार प्रणाली और शास्त्र प्रणाली भी इन तत्त्वों का प्रदृष्टि होती है। अंत में दृष्टि आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रिथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

एक रूप में भगवान् श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्नपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्राणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विनानाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालघन्द तथा गणान ये बाहर नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का शृंगार करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।



## ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्षंहि हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुदा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लव्यादर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी श्रम समाप्त करते हैं। एक रूप में भगवान् श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्नपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्राणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विनानाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालघन्द तथा गणान ये बाहर नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। भगवान शिव जी ने गणेश जी को देव्यों के कार्यों में विष्णु उपरित्व करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया। प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की परियाँ हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पत्र दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मध्यू और मध्यक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रैंडा खण्ड में उल्लेख है कि कृत्युग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मधूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लाकों में वे मध्येरुष नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले तथा उनका नाम धूमप्रसाद है। कलयुग में उनका धूम्बर्गा है। वे घोड़े पर आरूढ़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूमकेतु है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा शीर्षी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र औम ग गणपतय नमः है।







**अक्षय कुमार स्टार्टर  
खेल खेल में का मोशन  
पोस्टर आया सामने**

स्त्री 2 और वेदा के साथ होगा  
बड़े पर्दे पर क्लैश

इस साल स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में खूब हुड़दंग मचने वाला है। एक साथ तीन अलग-अलग जॉनर की फिल्में रिलीज हो रही हैं। हॉटर कॉमेडी स्ट्री 2 और एकशन थिलर वेदा के साथ बड़े पर्दे पर अपनी पलटन के साथ अक्षय कुमार भी उत्तरों के लिए एकदम तैयार हैं और वो भी एक अलग अवतार में। 2024 में अक्षय कुमार की दो फिल्में रिलीज हुईं। अप्रैल में अभिनेता ने बड़े मियां छोटे मियां में अपना इंटर्स एकशन दिखाया, फिर जुलाई में बायोपिक सरफिरा बनकर उन्होंने दिखाया कि जिद के साथ सफलता कैसे मिलती है। बायोपिक और एकशन थिलर के बाद अब अक्षय कुमार दर्शकों के पेट में गुणदृगी करने आ रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म खेल खेल में अगस्त महीने में दस्तक दे रही है। कुछ महीने पहले ही अक्षय कुमार ने अपनी आगामी फिल्म खेल खेल में की अनाउंसमेंट कर दी थी। अब

फिल्म का पहला ऑफिशियल मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की सभी कास्ट के साथ एक दमदार पोस्टर जारी हुआ है, जिसमें अक्षय एक अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। उनका लुक देख लगता है कि वह बड़े शर्क्स का किरदार निभाएंगे पास्टर में उनके बाल लगभग सफेद हैं पोस्टर के साथ अक्षय कुमार ने कैशन में लिखा है, यारों वाला खेल... यारी वाली पिक्चर। बैंड बाजे के माहौल में... बैंड बजाने वाली पिक्चर। साल की सबसे बड़ी फैमिली एंटरटेनर को बोलो हाय। कॉमेडी ड्रामा खेल खेल में 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। मुद्रस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म खेल खेल में अक्षय कुमार के साथ तापसी पन्नू, फरदीन खान, वाणी कपूर, प्रज्ञा जायसवाल, आदित्य सील और एमी विर्क जैसे कलाकार नजर आएंगे।

# बॉक्स ऑफिस पर फ़िल्म बैड न्यूज ने पार किया 40 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा

आनंद तिवारा के निदर्शन में बनी फिल्म बैड व्यूज़ को सिनेमाघरों में ऐलीज़ का एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है और यह दर्शकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। इसे ही फिल्म की कहानी में कोई दम नहीं है, लेकिन विक्री कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की तिकड़ी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। अब बैड व्यूज़ ने घेरेलू बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। अब बैड व्यूज़ की कमाई के छठे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली गिरावट देखने को मिली है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकिनिक के मुताबिक, छठे दिन यानी बुधवार को इस फिल्म ने 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 40.20 करोड़ रुपये हो गया है। बता दें बैड व्यूज़ की एक टिकट पर दूसरी बिल्कुल मुफ्त मिल रही है। टिकट बुक करने के लिए

आपको बैड व्यूज कोड का इस्तेमाल करना होगा। 'बैड व्यूज सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की सरफिरा, कमल हासन की झंडियन 2 और प्रभास स्टारर 'कलिक 2898 एडी को धोते हुए अच्छी कमाई कर रही है। हालांकि विककी कौशल स्टारर फ़िल्म के कलेक्शन में गिरावट भी देखी जा रही है बावजूद इसके 'बैड व्यूज ने रिलीज के 6 दिनों में

अपना आधा बजट लगभग वसूल कर लिया है. बता दें कि ये फिल्म 80 करोड़ की लागत से बनी बताई जा रही है. 'बैड न्यूज में विककी कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क ने अहम किरदार निभाया है. फिल्म में विककी कौशल अग्रिम छह्हा, तृप्ति डिमरी सलोनी बण्णा और एमी विर्क गुरुबीर सिंह पञ्च के किरदार में हैं. फिल्म तीनों के बीच लग ट्रायंगल दिखाया गया है. तृप्ति का किरदार सलोनी दिवंस बच्चों की मां बनने वाली है और उसे श्योर नहीं है कि उसके बच्चे का पिता कौन हैं. वहीं पैटरनिटी टेस्ट के बाद पता चलता है कि अखिल (विककी कौशल) और गुरुबीर (एमी विर्क) दोनों ही सलानी के होने वाले बच्चों के पिता हैं. फिल्म में अनव्या पांडे, नेहा शर्मा और गजराज राव ने

स्पेशल  
कैमियो  
किया है.



# ऑरेंज सिंपल साड़ी में एरिंग खब्बा ने ढाया कहर हर तस्वीर में दिखीं खूबसूरत

बॉलीवुड और साउथ हंडस्ट्री की  
ख़बू सूरत अभिनेत्री राशि खन्ना  
ने अपने एथनिक लुक से फैस  
के बीच लाइमलाइट लूट ली  
है। उनका हर एक अदाज  
इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी  
से वायरल होने लगता है।  
आब हाल ही में एक्ट्रेस राशि  
खन्ना की लेटेस्ट फोटोशूट  
की तस्वीरें इंस्टाग्राम  
पर तेजी से वायरल हो  
गई हैं। इन तस्वीरों  
में उनकी बोल्डनेस  
देखकर फैस एक बार  
फिर से अपना दिल  
हार गए हैं। एक्ट्रेस  
राशि खन्ना किसी भी  
पहचान की मोहताज नहीं  
हैं। उन्होंने अपनी दमदार  
एक्सिंग से लोगों को इस  
कदर दीवाना बनाया  
है कि लोग उनकी  
तारीफ करते नहीं  
थकते हैं। अब  
हाल ही में  
पाक्से म राशि

खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों इंस्टाग्राम पर साझा की है। इन तस्वीरों में उनके एथलिक लुक ने एक बार फिर से फैंस के बीच कहर बरपा दिया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एकट्रेस राशि खन्ना ने ऑरेंज कलर की सिंपल सी साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी हॉट एंड ग्लैमरस नजर आ रही हैं। बालों में गजरा, मांगटीका, माथे पर बींदी, हाथों में कंगन और साथ ही पर्स पकड़े हुए एकट्रेस राशि खन्ना ने प्यारी सी स्माइल देते हुए अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। राशि खन्ना जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एकट्रेस राशि खन्ना को पोस्ट शेयर किए कुछ समय हुआ है और अब तक 5 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिया है। राशि खन्ना सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आती है फैंस के बीच ट्रेंड करते रहता है।

# तापसी पन्नू की फिल्म फिर आई हसीन दिलएबा का पहला पोस्टर जारी

९ अगस्त को नेटफिलक्स पर रिलीज होगी फिल्म



अभिनेत्री  
तापसी पन्नू  
को आयिरी बार  
2023 में शाहरुख  
खान के साथ  
फिल्म डंकी में  
देखा गया था,  
जिसमें उनकी  
अदाकारी की खूब  
प्रशंसा हई। [आने

वाले दिनों में तापसी अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी। इस फिल्म में विक्रांत मैसी और सनी कौशल भी अपनी अदाकारी का तड़का लिखा, खून को मिटायें ये बारिश, यही है इसकी कातिलाना इश्क की गुजारिश फिर आई हसीन दिलरुबा 2021 में आई फिल्म हसीन दिलरुबा का सीक्वल है। जिसमें तापसी के पर इलिज़ होगी निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए इसकी लिखा, खून को मिटायें ये बारिश कातिलाना इश्क की गुजारिश फिर आई हसीन दिलरुबा 2021 में आई फिल्म हसीन दिलरुबा का सीक्वल है। जिसमें तापसी के

साथ विक्रांत और अभिनेता  
हर्षवर्धन राणे ने अभिनय  
किया था फिल्म को दर्शकों  
के साथ-साथ समीक्षकों से  
भी सकारात्मक प्रतिक्रिया  
मिली थी। बता दें कि इस  
फिल्म के पहले पार्ट में  
तापसी पन्नू ने रानी का  
किरदार निभाया हैं और  
विक्रांत गैसी ऋषभ सक्सेना  
उनके पति की भूमिका में  
होते हैं। हसीन दिलरुबा विनी  
मैथ्यू द्वारा निर्देशित और  
कनिका छिल्लन द्वारा लिखित  
है। इसके अलावा तापसी के  
वर्कफ्रेंट की बात करें तो वह  
अगली बार अपनी कॉमेडी  
ड्रामा फिल्म वो लड़की है  
कहाँ में जजर आने वाली हैं।  
फिल्म में उनके साथ प्रतीक  
बब्बर और प्रतीक गांधी भी  
नजर आएंगे। फिल्म अरशद  
सैयद द्वारा लिखित और  
निर्देशित है।



किए अब्बावरम की पैन-इंडिया फिल्म के का टीजर हुआ रिलीज, दमदार संगीत और विज़ुअल्स ने खींचा ध्यान

साउथ अभिनेता किरण अब्बवरम की आगामी पैन-इंडिया फिल्म के एक टीजर आज रिलीज हो गया है। टीजर में दमदार संगीत और आकर्षक विजुअल्स दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। फिल्म का निर्देशन सुनीत और संदीप की जोड़ी द्वारा किया गया है, जिन्होंने इससे पहले भी कई सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म का निर्माण चिन्ना गोपाळ कृष्ण रेड्डी द्वारा श्री चक्रास एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले किया गया है। टीजर में किरण द्वारा निभाए गए एक डाकिया के इन्ड-गिर्द एक अनूठी कहानी दिखाई गई है, जिसकी एक अजीब अदात है - वह दूसरों के लिए लिखे गए पत्रों को पढ़ता है। यह दिखने में हानिरहित लगने वाला काम संदिग्ध और तीव्र गतिविधियों की एक श्रृंखला की ओर ले जाता है, जो दर्शकों को मोहित कर देता है और उन्हें और अधिक देखने की इच्छा होती है। तकनीकी स्तर से टीजर प्रभावशाली है, जो एक

आकर्षक फ़िल्म होने का बाद करता है। किरण के किरदार पर ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट है, जो उसकी यात्रा के लिए रहस्य और प्रत्याशा की भावना पैदा करता है। निर्देशक सुजीत और संदीप ने कुशलता से दर्शकों को बांधे रखा है, जिससे वे फ़िल्म के रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक हैं। चिंता गोपाल कृष्ण रेड्डी के प्रोडक्शन वेचर, केए में किरण की पर्सनी, रायस्या गोरक भी भागीदार के रूप में हैं। सैम सीएस द्वारा फ़िल्म का बैकग्राउंड स्कोर पूरी तरह से कथा को पूरक बनाता है, जो सर्सेंस भरे माहौल को बढ़ाता है। केए के लिए योजनाबद्ध अभियंता भारतीय रिलीज से पता चलता है कि फ़िल्म व्यापक दर्शकों तक पहुँचने की महत्वाकांक्षा रखती है। अपने आकर्षक आधार, सम्मोहक दृश्यों और दमदार अभिनय के साथ, केए किरण अब्बावरम के लिए एक आशाजनक परियोजना बनने के लिए तैयार है, जो संभावित रूप से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी।